प्रश्नोतर से संबंधित परिशिष्ट

परिशिष्ट 'एक' [9/12/2016]

प्रश्न सं. [क्र. 24]

विधानसभा तारांकित प्रश्न क्रमांक 24 के प्रश्नांश 'ग' का परिशिष्ट

कुपोषण एवं शिशु मृत्यु दर कम करने हेतु स्वास्थ्य विभाग द्वारा किये जा रहे प्रयासों की जानकारी

- प्रदेश में बीमार नवजात शिशुओं की देखभाल हेतु 54 एस.एन.सी.यू. क्रियाशील हैं।
- उप जिला स्तरीय सीमॉक संस्थाओं में कम वज़न एवं बीमार नवजात शिशुओं के उपचार हेतु 60 एन.बी.एस.यू. (न्यूबॉर्न स्टेबिलाईजेशन यूनिट्स) की क्रियाशील की गई है।
- प्रदेश में 1515 चिन्हांकित प्रसव केन्द्रों के विरूद्ध 1296 न्यूबॉर्न केयर कॉर्नर स्थापित किये गये हैं। इन इकाईयों के माध्यम से समस्त नवजात शिशुओं को आवश्यक नवजात देखभाल प्रदाय की जाती है तथा आवश्यक होने पर नवजात शिशु पुनर्जीवन प्रक्रिया द्वारा तत्काल सहायता प्रदान की जाती है।
- 28 दिवस से अधिक आयु के गंभीर रूप से बीमार बच्चों के उपचार एवं प्रबंधन हेतु 7 पी.आई.सी.यू. स्थापित किये गये है।
- नवजात शिशु गहन चिकित्सा इकाई (एस.एन.सी.यू.) में कार्यरत चिकित्सक एवं स्टॉफ नर्सों को संस्था आधारित नवजात शिशु देखभाल में कौशल वृद्धि हेतु सतत् प्रशिक्षण दिया जा रहा है।
- प्रदेश में शिशु रोग विशेषज्ञों की कमी को ध्यान में रखते हुए समस्त प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र संस्थाओं में पदस्थ मेडिकल ऑफिसर एवं स्टॉफ नर्सों को एफ.आई.एम.एन.सी.आई. प्रशिक्षण दिया गया।
- नवजात शिशु पुनर्जीवन प्रक्रिया में दक्षता हेतु प्रसव केन्द्रों में पदस्थ चिकित्सकों एवं पैरा–मेडिकल स्टॉफ को नवजात शिशु सुरक्षा कार्यक्रम प्रशिक्षण दिया गया।
- आई.डी.सी.एफ :– प्रत्येक वर्ष माह जुलाई–अगस्त में सघन दस्त रोग नियंत्रण पखवाड़ा मनाया जाता है, जिसके अंतर्गत समस्त 5 वर्ष से छोटे बच्चों के परिवारों को दस्त प्रकरणों के बचाव हेतु ओ.आर.एस पैकट एवं जिंक की गोलियां प्रदाय की जाती है।
- बाल शक्ति योजना :– प्रदेश में 315 पोषण पुनर्वास केन्द्र व 2 गंभीर कुपोषण प्रबंधन ईकाई संचालित है जिनमें 5 वर्ष तक के गंभीर कुपोषित बच्चों को भर्ती कर डब्ल्यू.एच.ओ/आई.ए.पी मानक अनुसार उपचारित किया जाता है।
- नेशनल आयरन प्लस इनिशिएटिव कार्यक्रम :– 6 माह से 60 माह एवं 10 से 19 वर्षीय किशोरवय बच्चों में एनीमिया की रोकथाम हेतु आयरन फोलिक एसिड सीरप एवं आयरन फोलिक एसिड गोलियों की उम्र आधारित खुराक दी जाती है।
- बाल सुरक्षा माह :– के अंतर्गत सूक्ष्म पोषक तत्वों के अनुपूरण हेतु 9 माह से 5 वर्षीय समस्त बच्चों को विटामिन–ए घोल पिलाया जाता है ताकि रोग प्रतिरोधक क्षमता का विकास हो सके।
- नेशनल डीवर्मिंग डे :– के अंतर्गत 1 वर्ष से 19 वर्षीय सभी बच्चों को वर्ष में 1 बार एल्बेण्डाजोल गोली खिलाई जाती है, ताकि कृमि संक्रमण जनित रक्ताल्पता की रोकथाम की जा सके।
- आई.वाय.सी.एफ. प्रशिक्षण :– मैदानी कार्यकर्ताओं जैसे–आशा एवं ए.एन.एम. को समुचित शिशु एवं बाल आहार संबंधी व्यवहार पर प्रशिक्षित किया जाता है ताकि स्तनपान संबंधी सामुदायिक व्यवहार में सकारात्मक बदलाव लाई जा सके।
- दस्तक अभियान :– प्रथम चरण में दिनांक 16 नवंबर 2016 से 30 नवंबर 2016 के मध्य,गंभीर कुपोषित बच्चों की सक्रिय पहचान की कार्यवाही विभाग द्वारा महिला बाल विकास विभाग के समन्वय से चिन्हांकित 168 विकासखण्डों के ग्रामों में की जा रही है।

Deputy Director
Health Services
Madhya Pradesh

अनुभाग अधिकारी
मध्य प्रदेश शासन
लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग